महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

# द रुरल कनेक्ट

खंड 01 अंक 12
जून 2022

## "उद्यमिता को बढ़ावा देने और भारत को नौकरी सृजक राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिए नए मार्ग विकसित करें"

श्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता केंद्रीय मंत्री, ने क्षेत्रीय विकास को सुविधाजनक बनाने और समाज को वापस देने के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों का आह्वान किया।

"सशक्तिकरण और लोक कल्याण का माध्यम ज्ञान है। जैसा कि देश अमृत महोत्सव मना रहा है, छात्रों को सांचे को तोड़ने का प्रयास करना चाहिए और जिम्मेदारियों को लेने और समाज को बहुत अधिक जोश के साथ वापस देने की संस्कृति को सुशोभित करना चाहिए" श्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारतीय प्रबंधन संस्थान, नागपुर के स्थायी परिसर के उद्घाटन के अवसर पर संबोधित किया।

उच्चतर शिक्षा संस्थानों में शिक्षक/संकाय के क्षमता निर्माण के लिए संस्थागत तंत्र पर रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए, श्री प्रधान ने शिक्षक शिक्षा/संकाय विकास के लिए देश भर में सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए एक "मालवीय मिशन" के विचार पर जोर दिया।

श्री प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) और शिक्षा और कौशल के बीच तालमेल बनाने पर इसके प्रोत्साहन के बारे में भी बताया।

उन्होंने कहा, "जबकि एन.ई.पी. औपचारिक शिक्षा प्रणाली में 3 से 23 वर्ष की आयु के छात्रों को शामिल करता है, हमें नए विचारों के साथ आना चाहिए, जो औपचारिक शिक्षा का हिस्सा नहीं हैं, उनके लिए स्किलिंग, रि-स्किलिंग और अप-स्किलिंग पर पथप्रदर्शक व्यवस्था रणनीतियां हैं। जैसा कि हम अमृत महोत्सव मना रहे हैं, हमारे युवाओं को भी अपना ध्यान अधिकारों से जिम्मेदारियों की ओर स्थानांतरित करना चाहिए। कर्तव्यों के पथ पर चलते हुए हमें अगले दशक में अपने देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है।

------

## एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पर्यावरण को प्रोत्साहित करने और पुनर्वास करने के लिए देश में उच्चतर शिक्षा संस्थानों का आह्वान किया

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, डॉ. टी.टी. रंगनाथन, कुलपति, प्रभारी, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), डिंडीगल, तमिलनाडु के साथ, एम.जी.एन.सी.आर.ई. के हिस्से के रूप में पर्यावरण संबंधी चिंता और पर्यावरण संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए।

### जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार

जिला कलेक्टर श्री जी.एस. समीरन और अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ आर्टस एंड साइंस, कोयंबटूर को जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार प्रदान किया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डी. बृंदा और सचिव श्री टी. कन्नियन ने पुरस्कार प्राप्त किया। परिषद ने परिसर में संस्थान द्वारा किए गए हरित और स्वच्छ परिसर की पहल की मान्यता में पुरस्कार दिया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 5 जून 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के लिए देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों को बुलाकर पर्यावरण संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देना शुरू किया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम ने जिला कलेक्टरों/जिला मजिस्ट्रेटों/उपायुक्तों से मुलाकात की और अपने संबंधित जिलों में इन पहलों को बढ़ावा देने में उनका समर्थन और मार्गदर्शन मांगा।

"अंतर्राष्ट्रीय मानकों और स्वीकृत मापदंडों का पालन करके परिसर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए विशिष्ट हस्तक्षेपों के डिजाइन की सुविधा"

डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे, जिला कलेक्टर, दुर्ग, छत्तीसगढ़ का संदेश था।

-----

# संपादक की टिप्पणी

चूंकि उच्चतर शिक्षा संस्थान कार्य और परिवर्तन के पथ प्रदर्शक हैं, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों का आह्वान किया। कॉल का जवाब देते हुए, देश भर के एच.ई.आई. ने कॉलेज परिसर और हरियाली का सर्वेक्षण, हरित आवरण के तहत क्षेत्रों को चिह्नित करने, कॉलेज की हरियाली को मजबूत करने, पौधों की सुरक्षा प्रबंधन, सीड बैंक बनाने, स्वच्छ टीमों का गठन करने, शून्य अपशिष्ट सप्ताह का निरीक्षण करने जैसी कई गतिविधियों का संचालन करने के लिए पंजीकरण किया है। और जीरो वेस्ट चैंपियन सर्टिफिकेट के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीम की सराहना और पुरस्कार दिया गया। मैं राज्य सरकारों का आभारी हूं जिन्होंने राज्य सरकार के कार्यालयों को एम.जी.एन.सी.आर.ई. के संचार के जवाब में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वच्छता से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कॉलेजों को परिपत्र और निर्देश जारी किए। एच.ई.आई. अपनी गतिविधियों की रिपोर्ट भेजेंगे जिससे एम.जी.एन.सी.आर.ई. सार्थक ज्ञान प्राप्त करेगा। वास्तव में, एच.ई.आई. पर्यावरण के प्रति लचीलापन के लिए प्रकाशस्तंभ हैं।

स्वच्छता, स्थिरता, संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में राज्यों में फील्ड इंटरैक्शन आयोजित किए गए। देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में इन पर्यावरण संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने के एक हिस्से के रूप में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम ने विभिन्न जिला कलेक्टरों / जिला मजिस्ट्रेटों / उपायुक्तों से मुलाकात की और अपने संबंधित जिलों में इन पहलों को बढ़ावा देने के लिए उनका समर्थन और मार्गदर्शन मांगा।

संकाय को अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने और अपने संस्थान के लिए अभूतपूर्व परिणाम प्राप्त करने के लिए अकादमिक नेतृत्व गुणों के साथ खुद को अद्यतन और लैस करने की आवश्यकता है। अच्छे नेता बनकर वे अपने संस्थान को महान ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं क्योंकि संस्थान बेहतर स्थिति में आ जाएगा और एन.ए.ए.सी., एन.आई.आर.एफ., एन.बी.ए. और अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय साख से सम्मानित होकर विधिवत मान्यता प्राप्त करेगा। इस संदर्भ में, शिक्षा मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, एम.जी.एन.सी.आर.ई. देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में समय की आवश्यकता के विषयों पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.) आयोजित कर रहा है। ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के हमारे प्रयास में, हम विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों/संकायों के लिए ग्रामीण शैक्षणिक नेतृत्व पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव करते हैं। इस वर्ष के लिए पहला संकाय विकास कार्यक्रम एम.जी.एन.सी.आर.ई. के संकाय विकास केंद्र में आयोजित किया गया था।

40 चयनित इंटर्न के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम के साथ महात्मा गांधी ग्रामीण इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। उन्मुखीकरण 5 दिनों के लिए स्वच्छता और स्थिरता, अनुभवात्मक शिक्षा, कार्य का दस्तावेजीकरण, सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन, सामाजिक उत्तरदायित्व, उच्चतर शिक्षा संस्थानों के साथ नेटवर्किंग, प्रदर्शन दिशानिर्देश, सीखने का नक्शा, योग्यता मानचित्रण और क्षमता निर्माण पर केंद्रित था। हम इंटर्न के साथ काम करने की आशा करते हैं जो पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा।

**डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार**
**अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.**

संकाय विकास कार्यक्रम ऑन रूरल एकेडमिक लीडरशिप का उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षण-अधिगम वातावरण में नवीन प्रगति और सुधार करने के लिए तैयार करना है। आज के उच्चतर शिक्षा संस्थानों को आपस में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। उच्चतर शिक्षा संस्थानों को छात्रों के प्रदर्शन और उनकी रोजगार योग्यता प्रोफ़ाइल से आंका जाता है। विश्वविद्यालयों की वैश्विक रैंकिंग अकादमिक प्रतिष्ठा (शिक्षण और अनुसंधान), नियोक्ता प्रतिष्ठा, शिक्षकों द्वारा किए गए शोध और उनके उद्धरणों जैसे मानकों पर की जाती है। रैंकिंग ने एक ऐसा माहौल बनाया है जिसमें केवल सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान ही बचे रहेंगे और बाकी नष्ट हो जाएंगे। संकाय विकास कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में उच्चतर शिक्षण संस्थानों से ऐसे शिक्षकों को आमंत्रित करना है जो अपने नेतृत्व कौशल के माध्यम से अपने संगठन में नवीन परिवर्तन लाने के इच्छुक हैं। फैकल्टी को न केवल अकादमिक नेतृत्व के बारे में पता चलेगा बल्कि ग्रामीण संदर्भ में अकादमिक नेतृत्व को कैसे लागू किया जाए। वे करियर और शिक्षा में नेतृत्व के महत्व के बारे में जान सकेंगे।

टीम के सदस्यों को साथ लेकर चलते हुए अभूतपूर्व परिणाम प्राप्त करने के लिए नेतृत्व गुणों के महत्व को सूक्ष्मता से प्रदर्शित किया जाएगा। अच्छे नेता बनकर वे अपने एच.ई.आई. को महान ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। एच.ई.आई. बेहतर स्थिति में आ जाएंगे और एन.ए.ए.सी., एन.आई.आर.एफ., एन.बी.ए. और अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय साख से सम्मानित होकर विधिवत मान्यता प्राप्त करेंगे।

पर्यावरण दिवस की गतिविधियों के संचालन के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा दिए गए आह्वान के परिणाम को देखकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। यह उन उच्चतर शिक्षा संस्थानों की सामाजिक और सामुदायिक जिम्मेदारी को दर्शाता है जो स्वच्छता और स्थिरता से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे और अपनी रिपोर्ट भेजेंगे।

**डॉ भरत पाठक**
**उपाध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.**

*कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय, तेलंगाना द्वारा सरकारी डिग्री कॉलेजों को दिए गए निर्देशों की सूची*

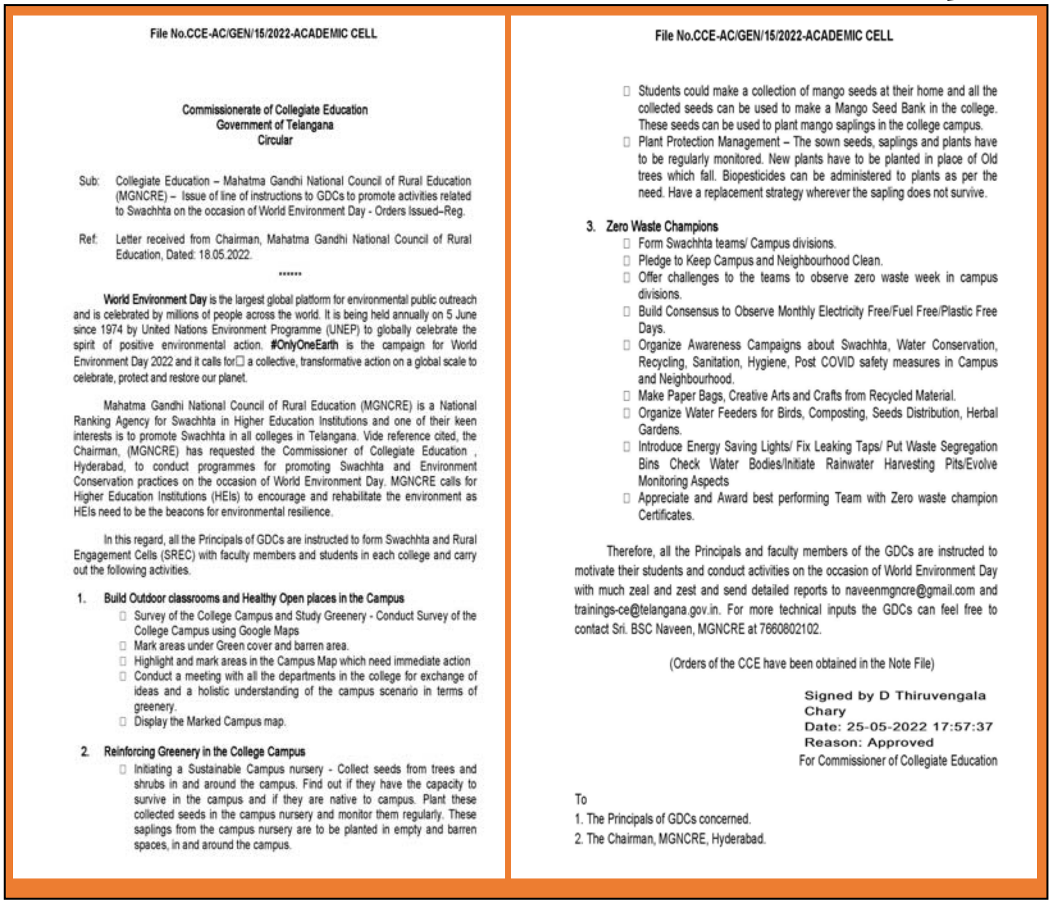

File No.CCE-AC/GEN/15/2022-ACADEMIC CELL

Commissionerate of Collegiate Education
Government of Telangana
Circular

Sub: Collegiate Education – Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE) – Issue of line of instructions to GDCs to promote activities related to Swachhta on the occasion of World Environment Day - Orders Issued–Reg.

Ref: Letter received from Chairman, Mahatma Gandhi National Council of Rural Education, Dated: 18.05.2022.

******

**World Environment Day** is the largest global platform for environmental public outreach and is celebrated by millions of people across the world. It is being held annually on 5 June since 1974 by United Nations Environment Programme (UNEP) to globally celebrate the spirit of positive environmental action. **#OnlyOneEarth** is the campaign for World Environment Day 2022 and it calls for a collective, transformative action on a global scale to celebrate, protect and restore our planet.

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE) is a National Ranking Agency for Swachhta in Higher Education Institutions and one of their keen interests is to promote Swachhta in all colleges in Telangana. Vide reference cited, the Chairman, (MGNCRE) has requested the Commissioner of Collegiate Education , Hyderabad, to conduct programmes for promoting Swachhta and Environment Conservation practices on the occasion of World Environment Day. MGNCRE calls for Higher Education Institutions (HEIs) to encourage and rehabilitate the environment as HEIs need to be the beacons for environmental resilience.

In this regard, all the Principals of GDCs are instructed to form Swachhta and Rural Engagement Cells (SREC) with faculty members and students in each college and carry out the following activities.

1. **Build Outdoor classrooms and Healthy Open places in the Campus**
   - Survey of the College Campus and Study Greenery - Conduct Survey of the College Campus using Google Maps
   - Mark areas under Green cover and barren area.
   - Highlight and mark areas in the Campus Map which need immediate action
   - Conduct a meeting with all the departments in the college for exchange of ideas and a holistic understanding of the campus scenario in terms of greenery.
   - Display the Marked Campus map.
2. **Reinforcing Greenery in the College Campus**
   - Initiating a Sustainable Campus nursery - Collect seeds from trees and shrubs in and around the campus. Find out if they have the capacity to survive in the campus and if they are native to campus. Plant these collected seeds in the campus nursery and monitor them regularly. These saplings from the campus nursery are to be planted in empty and barren spaces, in and around the campus.

File No.CCE-AC/GEN/15/2022-ACADEMIC CELL

   - Students could make a collection of mango seeds at their home and all the collected seeds can be used to make a Mango Seed Bank in the college. These seeds can be used to plant mango saplings in the college campus.
   - Plant Protection Management – The sown seeds, saplings and plants have to be regularly monitored. New plants have to be planted in place of Old trees which fall. Biopesticides can be administered to plants as per the need. Have a replacement strategy wherever the sapling does not survive.
3. **Zero Waste Champions**
   - Form Swachhta teams/ Campus divisions.
   - Pledge to Keep Campus and Neighbourhood Clean.
   - Offer challenges to the teams to observe zero waste week in campus divisions.
   - Build Consensus to Observe Monthly Electricity Free/Fuel Free/Plastic Free Days.
   - Organize Awareness Campaigns about Swachhta, Water Conservation, Recycling, Sanitation, Hygiene, Post COVID safety measures in Campus and Neighbourhood.
   - Make Paper Bags, Creative Arts and Crafts from Recycled Material.
   - Organize Water Feeders for Birds, Composting, Seeds Distribution, Herbal Gardens.
   - Introduce Energy Saving Lights/ Fix Leaking Taps/ Put Waste Segregation Bins Check Water Bodies/Initiate Rainwater Harvesting Pits/Evolve Monitoring Aspects
   - Appreciate and Award best performing Team with Zero waste champion Certificates.

Therefore, all the Principals and faculty members of the GDCs are instructed to motivate their students and conduct activities on the occasion of World Environment Day with much zeal and zest and send detailed reports to naveenmgncre@gmail.com and trainings-ce@telangana.gov.in. For more technical inputs the GDCs can feel free to contact Sri. BSC Naveen, MGNCRE at 7660802102.

(Orders of the CCE have been obtained in the Note File)

Signed by D Thiruvengala Chary
Date: 25-05-2022 17:57:37
Reason: Approved
For Commissioner of Collegiate Education

To
1. The Principals of GDCs concerned.
2. The Chairman, MGNCRE, Hyderabad.

# संकाय विकास कार्यक्रम

## ग्रामीण शैक्षणिक नेतृत्व

ग्रामीण अकादमिक नेतृत्व पर (इस विषय पर चौथा) संकाय विकास कार्यक्रम 17 से 21 मई 2022 तक आयोजित किया गया था। संकाय प्रतिभागी तेलंगाना के दो सरकारी डिग्री कॉलेजों से 32 थे।

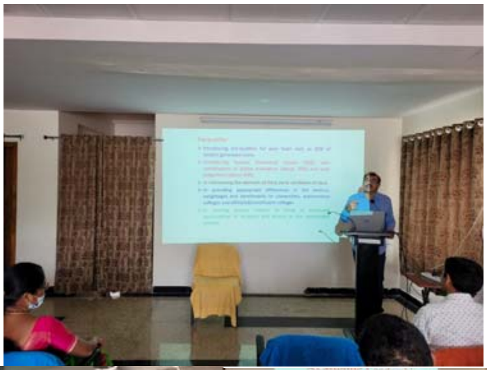

श्रीमती जे. पद्मा, सीनियर फैकल्टी एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा परिचयात्मक सत्र आयोजित किया गया था। उन्होंने शहरी और ग्रामीण परिप्रेक्ष्य के क्यों, क्या, कैसे पर वाक्पटु भाषण दिया। श्री बी.एस.सी. नवीन कुमार, सीनियर फैकल्टी एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने स्वच्छता कार्य योजना (एस.ए.पी.) और एच.ई.आई. में नेतृत्व में इसकी भूमिका पर सत्र लिया। डॉ. डी.टी. चारी, अकादमिक मार्गदर्शन अधिकारी, सी.सी.ई., तेलंगाना ने कॉलेजों के अनंतिम प्रत्यायन (पी.ए.सी.) पर संकाय का मार्गदर्शन किया। डॉ. माया सलीमथ, निदेशक- क्यू.ए.सी. आर.आर. इंस्टीट्यूशंस, बैंगलोर ने एन.ए.ए.सी. टीम बिल्डिंग, केस डिस्कशन, रोल प्ले, अनुभव और अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान दिया। प्रो. एच. हेमनाथ राव सेवानिवृत्त निदेशक, डी.एम.आई., पूर्व डीन ए.एस.सी.आई. ने अकादमिक नेतृत्व पर बात की, जबकि प्रोफेसर वाई नरसिम्हुलु, निदेशक, एच.आर.डी.सी., हैदराबाद विश्वविद्यालय ने "मूव विद द टाइम्स" पर बात की। शैक्षणिक नेताओं के लिए परामर्श और सुविधा कौशल ऐसे कौशल की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा कवर किया गया विषय था। प्रो. बी. राजा शेखर प्रो. वाइस चांसलर हैदराबाद विश्वविद्यालय ने एन.आई.आर.एफ. कोविड – प्री एंड पोस्ट टाइम्स ए पर्सपेक्टिव फ्रॉम ए एकेडमिक लीडर पर बात की। श्री पी. सुधीर कुमार, सीनियर फैकल्टी एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने उन्नत भारत अभियान और एच.ई.आई. पर बात की, जबकि श्री संतोष कुमार ने एफ.डी.पी. का समन्वय किया। एफ.डी.पी. के प्रमुख शिक्षा के परिणाम, महत्वपूर्ण निष्कर्ष और फीडबैक का दस्तावेजीकरण किया गया।

*उच्चतर शिक्षा संस्थानों को एक अकादमिक संस्कृति के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है जिसमें संकायों द्वारा सर्वोत्तम शोध और शिक्षण किया जाना चाहिए, और संस्थान द्वारा सर्वोत्तम पाठ्यक्रम विकसित किया जाना चाहिए, ताकि यह एक कार्यक्रम में नामांकित छात्रों को एक अत्याधुनिक रूप से आसानी से नौकरी के बाजार में रखने में मदद करेगा और जो उन्हें शैक्षणिक नीतियों में लगातार बदलाव ने उच्चतर शिक्षा संस्थानों में एक प्रवाह पैदा किया है और उनमें से कई को उच्चतर शिक्षा के बाजार में जीवित रहने के लिए कर लगाना पड़ रहा है। एक दूरदर्शी नेतृत्व के नेतृत्व में एक संस्था द्वारा इसे आसानी से दूर किया जा सकता है।*

INTERNSHIP

## महात्मा गांधी ग्रामीण इंटर्नशिप कार्यक्रम 2022-23

***इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए लगभग 400 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिसमें से 4 उम्मीदवारों का चयन देश भर के विभिन्न राज्यों से किया गया था।*** *ग्रामीण इंटर्नशिप प प्रशिक्षुओं के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम - स्वच्छता और स्थिरता, अनुभवात्मक शिक्षा, काय का दस्तावेजीकरण, सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन, सामाजिक उत्तरदायित्व, उच्चतर शिक्ष संस्थानों के साथ नेटवर्किंग, प्रदर्शन दिशानिर्देश, सीखने का नक्शा, योग्यता मानचित्रण औ क्षमता निर्माण*

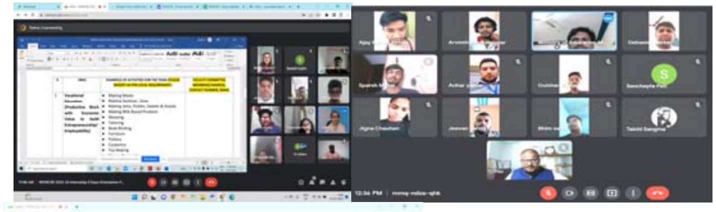

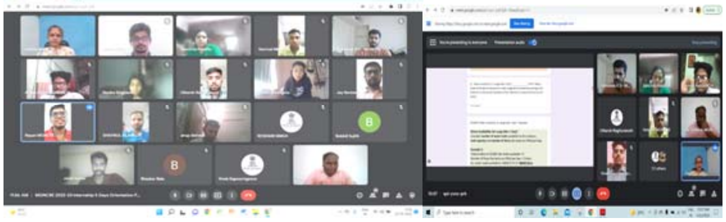

# विश्व पर्यावरण दिवस समारोह - बैठक

विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण जन पहुंच के लिए सबसे बड़ा वैश्विक मंच है और दुनिया भर में लाखों लोगों द्वारा मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू.एन.ई.पी.) द्वारा विश्व स्तर पर सकारात्मक पर्यावरणीय कार्य की भावना का जश्न मनाने के लिए 1974 से 5 जून को प्रतिवर्ष आयोजित किया जा रहा है।
**केवल एक पृथ्वी** विश्व पर्यावरण दिवस 2022 का अभियान है और यह हमारे ग्रह को मनाने, संरक्षित करने और पुनर्स्थापित करने के लिए वैश्विक स्तर पर एक सामूहिक, परिवर्तनकारी कार्य का आह्वान करता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के इस अवसर पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. देश में उच्चतर शिक्षा संस्थानों द्वारा लागू की जाने वाली विभिन्न पर्यावरण संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा दे रहा है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने देश में एच.ई.आई. से पर्यावरण को प्रोत्साहित करने और पुनर्वास करने का आह्वान किया क्योंकि एच.ई.आई. पर्यावरण के लचीलेपन के लिए प्रकाश हो सकते हैं।

- *परिसर में बाहरी कक्षाओं और स्वस्थ खुले स्थानों का निर्माण करें*
  - कॉलेज परिसर का सर्वेक्षण और हरियाली का अध्ययन करें - गूगल मैप (Google) का उपयोग करके कॉलेज परिसर का सर्वेक्षण करें
  - हरित आवरण और बंजर क्षेत्र के तहत क्षेत्रों को चिह्नित करें। परिसर के मानचित्र में उन क्षेत्रों को हाइलाइट करें और चिह्नित करें जिन पर तत्काल कार्य की आवश्यकता है
  - विचारों के आदान-प्रदान और हरियाली के संदर्भ में परिसर के परिदृश्य की समग्र समझ के लिए कॉलेज के सभी विभागों के साथ एक बैठक आयोजित करें।
  - चिह्नित परिसर का नक्शा प्रदर्शित करें।
- *कॉलेज परिसर में हरियाली को सुदृढ़ करना*
  - एक सतत परिसर नर्सरी की शुरुआत करना - परिसर में और उसके आसपास पेड़ों और झाड़ियों से बीज एकत्र करना। पता करें कि क्या उनके पास परिसर में जीवित रहने की क्षमता है और यदि वे परिसर के मूल निवासी हैं। इन एकत्रित बीजों को परिसर की नर्सरी में रोपें और नियमित रूप से उनकी निगरानी करें। परिसर की नर्सरी से ये पौधे परिसर के अंदर और आसपास खाली और बंजर स्थानों में लगाए जाने हैं।
  - छात्र अपने घर पर आम के बीजों का संग्रह कर सकते हैं और सभी एकत्रित बीजों का उपयोग कॉलेज में मैंगो सीड बैंक बनाने के लिए किया जा सकता है। इन बीजों का उपयोग कॉलेज परिसर में आम के पौधे लगाने के लिए किया जा सकता है।
  - पौध संरक्षण प्रबंधन - बोए गए बीज, पौधे और पौधों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। पुराने पेड़ गिरने के स्थान पर नए पौधे लगाने पड़ते हैं। पौधों को जरूरत के हिसाब से जैव कीटनाशक दिए जा सकते हैं। जहां भी पौधा नहीं बचेगा, वहां प्रतिस्थापन रणनीति अपनाएं।
- *जीरो वेस्ट चैंपियन*
  - स्वच्छता टीम/कैंपस डिवीजनों
  - कैंपस और पड़ोस को साफ रखने की शपथ
  - कैंपस डिवीजनों में शून्य अपशिष्ट सप्ताह का पालन करने के लिए टीमों को चुनौतियों की पेशकश करें
  - मासिक बिजली मुक्त/ईंधन मुक्त/प्लास्टिक मुक्त दिनों का पालन करने के लिए सहमति बनाएं।
  - परिसर और पड़ोस में स्वच्छता, जल संरक्षण, पुनर्चक्रण, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पोस्ट कोविड सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता अभियान आयोजित करें।
  - पुनर्नवीनीकरण सामग्री से पेपर बैग, रचनात्मक कला और क्राफ्ट बनाएं।
  - पक्षियों के लिए जल भक्षण, खाद, बीज वितरण, हर्बल गार्डन का आयोजन।
  - ऊर्जा की बचत करने वाली लाइटें शुरू करें/ लीक होने वाले नलों को ठीक करें/ अपशिष्ट पृथक्करण डिब्बे लगाएं जल निकायों की जांच करें/वर्षा जल संचयन गड्ढों को शुरू करें/निगरानी पहलुओं को विकसित करें
  - शून्य अपशिष्ट चैंपियन प्रमाणपत्रों के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीम की सराहना करें और पुरस्कार दें।

देश भर के उच्चतर शिक्षण संस्थानों में इन पर्यावरण संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने के एक हिस्से के रूप में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम ने विभिन्न जिला कलेक्टरों / जिला मजिस्ट्रेटों / उपायुक्तों से मुलाकात की और अपने संबंधित जिलों में इन पहलों को बढ़ावा देने के लिए उनका समर्थन और मार्गदर्शन मांगा।

मध्य प्रदेश के रीवा के जिला कलेक्टर श्री मनोज पुष्प ने कहा, "स्वच्छ कैंपस पहल तभी सफल हो सकती है जब संस्थान के प्रमुख संगठन में सभी की भावना को प्रज्वलित करें

"स्वच्छ टीम कैंपस के भौतिक मानचित्र पर काम करती है और इसे सुविधाजनक क्षेत्रों में बनाती है। छात्रों को स्वच्छ कार्य योजना के पहलुओं की पहचान से संबंधित कार्यों को सौंपकर कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए उनकी इच्छा और रुचि के आधार पर भी चुना जा सकता है" श्री लोक बंधु, जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर, राजस्थान ने कहा था।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान, श्री अनुराग जयंती, जिला कलेक्टर, राजन्ना सिरसिला, तेलंगाना ने देश में उच्चतर शिक्षण संस्थानों में स्वच्छता और स्थिरता प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने और गांवों में ऐसी प्रथाओं का विस्तार करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने इस संबंध में जिला पंचायत अधिकारियों को एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम के साथ सहयोगात्मक रूप से काम करने के लिए भी जोड़ा।

"एक या एक से अधिक क्षेत्रों में अध्ययन और ठोस प्रयासों की आवश्यकता होती है, जो पर्यावरण को प्रभावित करते हैं, या तो क्रमिक रूप से या एक साथ, एक परिसर के लिए प्रतिष्ठित हरे रंग की स्थिति प्राप्त करने के लिए जिसे वर्तमान में बड़े स्वच्छ भारत मिशन के तहत "स्वच्छ" परिसर के रूप में जाना जाता है" श्री मुजम्मिल खान आई.ए.एस., सिद्दीपेट जिला, तेलंगाना के अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अकादमिक सलाहकार के साथ बातचीत के दौरान कहा। उन्होंने जिले में इस तरह के कार्यक्रमों के संचालन के लिए समर्थन का आश्वासन दिया और ग्रामीण तल्लीनता गतिविधियों में एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों के समन्वय के लिए जिला पंचायत अधिकारियों को भी जोड़ा।

डोडा जिले के उपायुक्त श्री विकास शर्मा ने कहा, "स्वच्छ परिसर की अवधारणा के साथ, सभी की चेतना में निहित है, स्वच्छता पर कार्य करने के लिए संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के माध्यम से एच.ई.आई. द्वारा निरंतर प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।" जम्मू और कश्मीर एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रोजेक्ट एसोसिएट के साथ बातचीत के दौरान कहा।

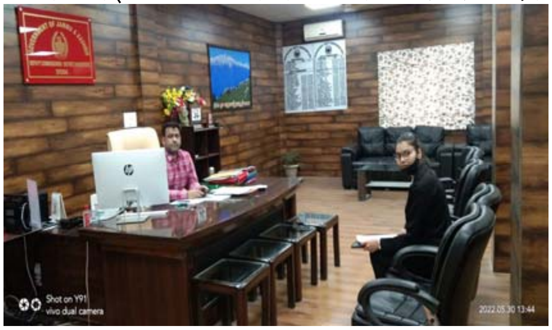


असम के गोलाघाट जिले के जिला आयुक्त श्री मृगेश नारायण बरुआ ने कहा, "स्थानीय रूप से सक्रिय, प्रासंगिक गैर सरकारी संगठनों को जागरूकता अभियान चलाने के लिए आमंत्रित करें या बाहरी विक्रेताओं, स्वयं सहायता समूहों को स्वच्छ पद्धति अपनाने के लिए परिसर के कर्मचारियों और निवासियों को जोड़ने के लिए आमंत्रित करें।" देश में उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से स्वच्छता, स्थिरता, ऊर्जा संरक्षण और ग्रामीण तल्लीनता गतिविधियों को बढ़ावा देने के अवसर पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रोजेक्ट एसोसिएट के साथ बातचीत।

कर्नाटक के मांड्या जिले की उपायुक्त सुश्री अश्वथी .एस आई.ए.एस. ने सुझाव दिया - "फॉर्म टीमों और प्रत्येक टीम को स्वच्छता के एक पहलू का ध्यान रखा जा सकता है: स्वच्छता, अपशिष्ट, पानी, ऊर्जा और हरियाली। उस विशेष क्षेत्र में चुनौतियों/समस्याओं की पहचान करें और स्वच्छता और समुदाय पर उनके प्रभाव की पहचान करें। साथ ही एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रोजेक्ट एसोसिएट के साथ बातचीत में "जवाब देने के तरीके या विकल्प तैयार करें"।

श्री वी.पी. गौतम, जिला कलेक्टर, खम्मम, तेलंगाना के साथ बातचीत

"गहन और सतत वृक्षारोपण जयशंकर भूपालपल्ली जिले का प्राथमिक लक्ष्य है" कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट श्री भावेश मिश्रा ने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि वे प्रति घर 6 पौधे उपलब्ध कराएंगे और देखेंगे कि उनमें से 95-96% पौधे जीवित हैं। जिला प्रशासन ने इस वर्ष 30 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अकादमिक सलाहकार के साथ बातचीत के दौरान जिले के उच्चतर शिक्षण संस्थानों में विश्व पर्यावरण दिवस के आयोजन में जिला प्रशासन से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

तेलंगाना के हनुमाकोंडा के कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट श्री आर. हनुमन्तु ने कहा, "यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने परिवेश को स्वच्छ और हरा-भरा रखें और हम सभी को अपनी धरती माता को बचाने और खुशहाल जीवन जीने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।" उन्होंने देश के उच्चतर शिक्षण संस्थानों में एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा कार्यान्वित ऊर्जा संरक्षण प्रथाओं और ग्रामीण तल्लीनता की आवश्यकता के लिए सकारात्मक रूप से व्यक्त किया।

"यह कचरा पैदा करने के बारे में नहीं है बल्कि कचरे के प्रबंधन के बारे में है। सरकार और स्थानीय निकायों के साथ, देश के सभी उच्चतर शिक्षण संस्थानों को अपशिष्ट पृथक्करण की अवधारणा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और वैज्ञानिक तरीके से इसका इलाज करना चाहिए। एच.ई.आई. इस तरह की प्रथाओं को अपना सकते हैं स्वच्छता और ऊर्जा संरक्षण स्थिरता प्राप्त करने और आर्थिक विकास, पर्यावरण देखभाल और सामाजिक कल्याण के बीच संतुलन सुनिश्चित करने के लिए" एम.जी.एन.सी.आर.ई. की अकादमिक सलाहकार के साथ बातचीत के दौरान वरंगल ग्रामीण जिला, तेलंगाना के कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट डॉ. बी. गोपी आई.ए.एस. का संदेश है। उन्होंने जिले के सभी उच्चतर शिक्षा संस्थानों को स्वच्छता, जल और ऊर्जा संरक्षण की ऐसी प्रथाओं को अपनाने के लिए मार्गदर्शन करने का सुझाव दिया और प्रत्येक कॉलेज को स्वच्छ परिसर बनाने में समर्थन का आश्वासन दिया।

तेलंगाना के मुलुगु के कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट श्री एस. कृष्ण आदित्य ने कहा, "आइए हम इस दुनिया को आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित जगह बनाने के लिए हाथ से काम करें।" उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिसर में स्वच्छ और कार्यात्मक शौचालय, सुरक्षित पेयजल, एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए स्वच्छ परिवेश होना चाहिए जो मानव गरिमा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और समग्र कल्याण को सुरक्षित करे। उन्होंने एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अकादमिक सलाहकार के साथ बातचीत के दौरान मुलुगु जिले में उच्चतर शिक्षण संस्थानों में एम.जी.एन.सी.आर.ई. की पर्यावरण संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने का आश्वासन दिया।

*जो हमने बिगाड़ा है उसे ठीक करते हैं....*

श्री एम. डेविड, अपर कलेक्टर (राजस्व), महबूबाबाद, तेलंगाना के साथ बातचीत हुई। उन्होंने ऊर्जा के सौर नवीकरणीय स्रोत के उपयोग और उच्चतर शिक्षा संस्थानों में स्वच्छ स्थिति बनाए रखने के रूप में अपनी प्राथमिकताएं व्यक्त कीं। वह एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा ली गई जिम्मेदारी से खुश थे।

श्री जितेश वी. पाटिल, कलेक्टर और मजिस्ट्रेट, कामारेड्डी जिला ने कहा, "सस्टेनेबल पैरामीटर्स को लागू करने की इस पहल को कामारेड्डी जिले के सभी उच्चतर शिक्षण संस्थानों में जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और हरियाली और वृक्षारोपण का विस्तार करें और प्रशासन से अपना समर्थन व्यक्त करें।" अकादमिक सलाहकार, एम.जी.एन.सी.आर.ई. के साथ बैठक के दौरान

"मैं विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून 2022 के अवसर पर मेडक जिले के सभी

उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ स्वच्छता और एम.जी.एन.सी.आर.ई. की सतत गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अपना समर्थन देती हूं" - सुश्री प्रतिमा सिंह, अपर कलेक्टर, मेडक जिले ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अकादमिक सलाहकार के साथ बातचीत के दौरान कहा।

डॉ. एस. संगीता सत्यनारायण, जिला कलेक्टर, पेद्दापल्ली, तेलंगाना के साथ बातचीत

मेघालय राज्य के रिभोई जिले के सभी उच्चतर शिक्षण संस्थानों में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए श्री अर्पित उपाध्याय, कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, रिभोई के साथ बातचीत

------

*एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अकादमिक सलाहकार ने स्वच्छता, स्थिरता और ग्रामीण तल्लीनता गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विद्या ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एम.बी.ए. फैकल्टी और छात्रों के साथ एक राउंड टेबिल बैठक आयोजित की है। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न ऊर्जा संरक्षण प्रथाओं को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा की है।*

*परिसर में स्वच्छता अभियान सुनिश्चित करने के लिए खम्मम प्रौद्योगिकी संस्थान, खम्मम के संकाय सदस्यों के साथ बैठक।*

-----

ఈ నెల 5న పర్యావరణ దినోత్సవం సందర్భంగా

ఎంబీఏ విద్యార్థులకు మొక్కల పెంపకం అవగాహన

*व्यवसाय प्रबंधन विभाग, पलामुरु विश्वविद्यालय, महबूबनगर, तेलंगाना ने पर्यावरण दिवस गतिविधि के रूप में बाहरी कक्षा का आयोजन किया*

भारत के जलवायु में हालिया परिवर्तन विषयक पर कार्यक्रम

## जलवायु दूषित हो चुका है, हम खतरनाक दौर से गुजर रहे

**राष्ट्रीय सेमिनार**

प्रतिनिधि, दलसिंहसराय

आरबी कॉलेज में शनिवार को भूगोल विभाग एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षण संस्थान शिक्षा मंत्रालय के तत्वाधान में राष्ट्रीय सेमिनार हुआ. महाविद्यालय के छात्र सान्याल, शिवानी, शालिनी, नीलू, चंदन आदि ने स्वागत गीत से अतिथियों का स्वागत किया. कॉलेज प्रशासन की ओर से पाग, चादर, गुलदस्ता एवं प्रतीक चिह्न प्रदान कर अतिथियों को सम्मानित किया गया. सेमिनार का विषय था भारत के जलवायु में हालिया परिवर्तन. कार्यक्रम का संचालन डॉ सुनील कुमार सिंह ने किया. प्रधानाचार्य प्रो. संजय झा ने कहा कि सेमिनार ज्ञान के फैलाव का मंच है. इसे सही दिशा में गति देने की जरूरत है. भूगोल विभाग के अध्यक्ष सह कार्यक्रम संयोजक डॉ दीपनारायण कुमार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव हर क्षेत्रों पर दिखाई पड़ रहा है. यह चिंता का विषय है. मुख्य अतिथि सह कार्यक्रम की अध्यक्ष ललितनारायण मिथिला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. डॉली सिन्हा ने कहा कि पृथ्वी सर्वोत्तम ग्रह है, जबसे सृष्टि का निर्माण हुआ है तभी से जलवायु हमारे साथ सक्रिय है. विविध कारणों से जलवायु पूरी तरह से अव्यवस्थित हो गई है. वैज्ञानिकों की जिम्मेवारी है कि यथाशीघ्र इस समस्या का समाधान ढूंढे. मुख्य वक्ता पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति भूगोलविद प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि जलवायु दूषित है. हम खतरनाक दौर से गुजर रहे हैं. जलवायु की अनियमितता से सर्वाधिक विनाश हो रहा है. जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है. इसके संतुलन के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास की जरूरत है. इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. एआर सिद्दीकी ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन भूगोल का महत्वपूर्ण एवं ज्वलंत विषय है. इस पर भूगोलवेत्ताओं को शोध करने की जरूरत है. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्राध्यापक डॉ पंकज कुमार ने हिमालय क्षेत्र में हो रहे जलवायु परिवर्तन को विविध उदाहरण के माध्यम से प्रस्तुत किया. बिहार राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के एकेडमिक ऑफिसर डॉ गौरव सिक्का ने कहा कि पृथ्वी पर जलवायु परिवर्तन होते रहे हैं, पर आज मानव की अतिवादी दृष्टि ने इसे खतरनाक बना दिया है. डॉ रविकांत आनंद, डॉ उल्लास टी, डॉ रीना कुमारी आदि ने भी अभिव्यक्ति प्रस्तुत किये. धन्यवाद ज्ञापन डॉ धीरज कुमार पांडेय ने किया.

दीप जला कर सेमिनार का उद्घाटन करते अतिथि.

मौजूद शिक्षक व छात्र-छात्राएं.

प्रभात खबर Sun, 29 May 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/68320148

*आर.बी. कॉलेज समस्तीपुर बिहार ने "भारत की जलवायु में हाल के परिवर्तन" पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. के सहयोग से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया*

-----

**सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूत करने के लिए 3 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए**

1. उदयपुर सामाजिक कार्य विद्यालय, उदयपुर, राजस्थान
2. डॉल्फिन (पी.जी.) जैव चिकित्सा और प्राकृतिक विज्ञान संस्थान, देहरादून
3. डी.ए.वी. इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब

**आने वाले महीनों में संकाय विकास कार्यक्रमों और उद्योग अकादमिक सम्मेलनों की योजना बनाने के लिए राउंड टेबिल बैठकें आयोजित की गईं**

1. शूलिनी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश
2. शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा
3. वेल्स विश्वविद्यालय, चेन्नई
4. विलियम कैरी यूनिवर्सिटी, शिलांग
5. जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय, एन.सी.आर. दिल्ली
6. मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल
7. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा

*उन्नत भारत अभियान* के तहत, जे.बी. इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, तेलंगाना ने यू.बी.ए. क्षेत्रीय समन्वय संस्थान एम.जी.एन.सी.आर.ई. के सहयोग से उन्नत भारत अभियान गतिविधियों के आगे कार्यान्वयन पर कॉलेज द्वारा गोद लिए गए गांवों के सरपंचों के साथ एक बैठक आयोजित की। ग्राम समुदाय की चुनौतियों का समाधान करने के लिए ग्राम प्रशासन के साथ छात्रों के विचारों को एकीकृत करने के लिए इस कार्यक्रम की व्यवस्था की गई थी।

## గ్రామాలాభివృద్ధే యూబీఏ లక్ష్యం..

● తెలంగాణ రీజినల్ కో-ఆర్డినేటర్ రవీందర్ రెడ్డి, సుధీర్ కుమార్

నవతెలంగాణ -మొయినాబాద్

గ్రామ సమస్యలు పరిష్కరించి, గ్రామాభివృద్ధే చేయడమే యూబీఏ లక్ష్యమని తెలంగాణా రీజినల్ కో-ఆర్డినేటర్ రవీందర్ రెడ్డి, సుధీర్ కుమార్ అన్నారు. శుక్రవారం మొయినాబాద్ మండలంలోని జేబీఐఈటీ కళాశాలలో ఆధ్వర్యంలో నిర్వహించిన గ్రామ సర్పంచ్‌ల సమావేశంలో వారు మాట్లాడుతూ గ్రామంలో ముఖ్యంగా గ్రామస్తులు ఎదుర్కొంటున్న ప్రధాన సమస్యలు కేంద్రీకరించి వాటి పరిష్కారానికి యూబీఏ సంస్థ నిధులు మంజూరు చేసే విధంగా కృషి చేస్తుందన్నారు. ఈ సంస్థకు గ్రామ సమస్యలు ఇంటింటికీ సర్వే నిర్వహించి అధికారుల దృష్టికి తీసుకెళ్లేందుకు జేబీఐటీ కళాశాల ఎన్ఎస్ఎస్ కో ఆర్డినేటర్ జె. తిరుపతి రావు ఆధ్వర్యంలో కళాశాల విద్యార్థులు శ్రమించి సర్వే వివరాలు సేకరించినట్టు తెలిపారు. ఈ కార్యక్రమంలో సురంగల్ గ్రామ సర్పంచ్ గడ్డం లావణ్య పాల్గొని తమ గ్రామ సమస్యలు అధికారులకు వివరించారు. యూబీఏ గ్రామ సర్వేలో చక్కటి నైపుణ్యం కనబర్చిన విద్యార్థులకు యూబీఏ అధికారులు సర్టిఫికేట్స్ అందజేశారు. జేబీఐటీ కళాశాల ఎన్ ఎస్ ఎస్ బృందం, యూబీఏ అధికారులను, సురంగల్ గ్రామ సర్పంచ్ గడ్డం లావణ్యను శాలువాతో సన్మానించారు. ఈ కార్యక్రమంలో ఈసీఎం అధ్యాపకురాలు ప్రసన్న కుమారి, విద్యార్థులు రేణుశ్రీ, సంధ్యా, అజయ్, ప్రశాంత్ తదితరులు పాల్గొన్నారు.

నవతెలంగాణ Sat, 28 May 2022 https://epaper.navatelangana

## केवल एक पृथ्वी

मानव जाति टूटने के कगार पर है। यह जागने और ध्यान देने का समय है। प्रकृति के साथ मनुष्य के संबंधों को सुधारने का समय आ गया है। यह मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलन बहाल करने का समय है। यह पर्यावरणीय लचीलापन का समय है। उच्चतर शिक्षा संस्थानों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने और पृथ्वी की सुरक्षा में योगदान देने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयास समय पर हैं। देश भर में एच.ई.आई. गतिविधियों के संचालन और सामाजिक जिम्मेदारी का अनुभव करने की पहल की ओर बढ़ रहे हैं।

5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू.एन.ई.पी.) के नेतृत्व में और 1973 से सालाना आयोजित किया जाता है, यह कार्यक्रम पर्यावरण की पहुंच के लिए सबसे बड़ा वैश्विक मंच बन गया है, जिसमें दुनिया भर के लाखों लोग ग्रह की रक्षा के लिए संलग्न हैं। विश्व पर्यावरण दिवस 2022 के लिए, थीम #OnlyOneEarth, जिसका इस्तेमाल 1972 में पहली वैश्विक पर्यावरण सभा में किया गया था, को पुनर्जीवित किया जा रहा है। स्वीडन जलवायु कार्य में तेजी लाने के लिए स्टॉकहोम+50 नामक एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की भी मेजबानी करेगा।

पर्यावरण के लिए संयुक्त राष्ट्र दिवस पर्यावरण की रक्षा के लिए दुनिया भर में जागरूकता और कार्य को बढ़ावा देता है और प्रोत्साहित करता है। इन वर्षों में, विश्व पर्यावरण दिवस (डब्ल्यू.ई.डी.) पर्यावरणीय सार्वजनिक पहुंच के लिए सबसे बड़े वैश्विक प्लेटफार्मों में से एक बन गया है और 150 से अधिक देशों में मनाया जाता है।

जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन की विविधता है। यह पारिस्थितिकी तंत्र के स्वस्थ कामकाज के लिए आवश्यक है। तेजी से जनसंख्या वृद्धि द्वारा संचालित आवास हानि और अतिदोहन जैव विविधता के नुकसान के प्राथमिक कारण हैं जो अब पहले की तुलना में दस हजार गुना तेजी से हो रहे हैं। अमेरिकी जीवविज्ञानी और प्रकृतिवादी ई.ओ. विल्सन ने कहा, "हम अधिक जनसंख्या और बेकार खपत की बाधा में हैं जो इस शताब्दी में पृथ्वी की प्रजातियों के आधे हिस्से को विलुप्त होने के लिए प्रेरित कर सकता है।"

(स्रोत: ऑनलाइन संसाधन)

आउटडोर कक्षाएँ

ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, टीमों का गठन, अभियान का आयोजन - एच.ई.आई. पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यधिक योगदान दे सकते हैं।


# महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्

## उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

# 5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004

दूरभाष: 040-23212120, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादक: डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद् (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित और मुद्रित

RNI NO: TELENG/2021/81111